न्यायालय सिविल जज जू.डि., बांसी, सिद्धार्थनगर
मूल वाद संख्या 0000350/07
रामशब्द प्रति रामधनी

दिनांक 01.09.16

पत्रावली पेश हुयी । उभयपक्ष के विद्वान अधिवक्ता उपस्थित। उभयपक्ष को प्रार्थना पत्र 59ग2 व आपत्ति 62ग2 पर सुना गया ।

निस्तारण प्रार्थना पत्र 59ग2 व आपत्ति 62ग2

प्रार्थना पत्र 59ग2 द्वारा वादीगण इस आशय का प्रस्तुत किया गया है कि वादी ने 01.09.15 को वाद के समुचित निर्णय हेतु कागजात दाखिल किये है जिन्हे वह वाद विन्दु के समय भूलवश दाखिल नही कर सका था । अतः वादी द्वारा दाखिल कागजात सबूत में स्वीकार किये जाय ।

जबकि प्रतिवादी द्वारा आपत्ति 62ग2 प्रस्तुत कर मुख्य रूप से विलम्ब की आपत्ति की गयी है।

सुना तथा अवलोकन किया । पत्रावली के अवलोकन से विदित होता है कि प्रस्तुत वाद में वाद विन्दु दिनांक 21.05.15 को विरचित किये गये है। वादी द्वारा वाद विन्दु विरचन के उपरान्त नकल जोत आकार पत्र 45,नकल जोत आकार पत्र 41, नकल जोत आकार पत्र 2क, खतौनी सबूत के रूप में शामिल पत्रावली किये जाने की प्रार्थना की गयी है तथा विलम्ब का कारण भूलवश अभिलेखीय साक्ष्य दाखिल न कर पाने का कथन किया गया है। स्वीकृत रूप से उपरोक्त अभिलेखीय साक्ष्य प्रारम्भ से ही वादी के जानकारी में थे अतः न्यायालय की राय में प्रार्थना पत्र 59ग2 हर्जे पर स्वीकार किये जाने है।

<u>आदेश</u>

प्रार्थना पत्र 59ग2 न्यायहित में मु. 100/—रू हर्जे पर स्वीकार किया जाता है। वादी द्वारा दाखिल अभिलेखीय साक्ष्य शामिल पत्रावली हो। पत्रावली वास्ते रिबटल / निस्तारण वाद विन्दु संख्या 7 व 8 दिनांक 27.10.16 को पेश हो।

सिविल जज जू.डि.
,बांसी